http://www.uoronline.com

# B.A. (Part-I) EXAMINATION, 2019

**(Faculty of Arts)**

**[Also Common with Subsidiary Paper of B.A. (Hons.) Part-I Three-Year Scheme of 10+2+3 Pattern]**

## संस्कृत साहित्य

## प्रथम प्रश्न-पत्र : दृश्य एवं श्रव्य काव्य

Time Allowed : Three Hours | Maximum Marks : 100

सभी (लघूत्तरात्मक तथा वर्णनात्मक) प्रश्नों के उत्तर मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें। लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के क्रमानुसार ही देवें। इसी प्रकार किसी भी एक वर्णनात्मक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर, उत्तर-पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर क्रमानुसार हल करें।

प्रश्नों के उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न पत्र पर रोल नम्बर अवश्य लिखें।

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जाएगी। अत: परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से लिखें।

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

### PART-I (SHORT ANSWER) M.M. : 30

प्रत्येक प्रश्न-पत्र में 15 प्रश्न लघूत्तरात्मक होंगे जिसमें से प्रथम 5 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। जिस प्रश्न-पत्र में संस्कृत अनुवाद/निबन्ध पूछे गए हैं, वहाँ संस्कृत में उत्तर अपेक्षित नहीं है।

1. 'स्वप्नवासवदत्तम्' का शाब्दिक अर्थ क्या है ?
2. वासवदत्ता के माता-पिता का नाम लिखिए।
3. वासवदत्ता की वीणा का नाम लिखिए।
4. आवन्तिका कौन थी ?
5. उज्जयिनी का राजा प्रद्योत अपने पुत्र का विवाह किससे करना चाहता था ?
6. नीतिशतक के मंगलाचरण में किसकी स्तुति की गई है ?
7. मूर्खों का दोष कैसे छिप जाता है ?
8. बिना सींग एवं पूँछ का साक्षात् पशु कौन है ?
9. सत्संगति के दो लाभ बताइए।
10. हिमालय के पुत्र का क्या नाम था ?
11. महर्षि वशिष्ठ की धर्मपत्नी का क्या नाम था ?
12. कामधेनु के शाप को राजा या उसके सारथि द्वारा नहीं सुने जाने का क्या कारण था ?
13. राजा दिलीप को युवावस्था में ही वृद्ध क्यों बताया गया है ?
14. पाताललोक में कौन से देवता यज्ञ कर रहे थे ?

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

15. इक्ष्वाकुवंशियों के कठिन कार्यों में सिद्धि किसके अधीन है ?

**PART-II (DESCRIPTIVE)** **M.M. : 70**

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 5+5

(क) अनाहारे तुल्य: प्रततरूदितक्षामवन:
शरीरे संस्कारं नृपतिसमदु:खं परिवहन्।
दिवा वा रात्रौ वा परिचरति यत्नैर्नरपतिं
नृप: प्राणान् सद्यस्त्यति यदि तस्याप्युपरम:॥

(ख) रूपश्रिया समुदितां गुणतश्च युक्तां
लब्ध्वाप्रियां समुदितां गुणतश्च युक्तां
पुर्वाभिघातसरूजोऽप्यनुभूतदु:ख:
पद्मावतीमति तथैव समर्थयामि॥

(ग) किं वक्ष्यतीति हृदयं परिशंकितं में
कन्या मयाप्यापहृता न च रक्षिता सा।
भाग्यैश्चलैर्महदवाप्तगुणोपघात:
पुत्र: पितुर्जनितरोष इवास्मि भीत:॥

(घ) अहमवजित: पूर्वं तावत् सुतै: सह लालितो
दृढमपहृता कन्या भूयो मया न च रक्षिता।
निधनमपि च श्रुत्वा तस्यास्तथैव मयि स्वता
ननु यदुचितान् वत्सान् प्राप्तुं नृपोऽत्र हि कारणम्॥

2. 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक के नामकरण की सार्थकता स्पष्ट करते हुए नाटक की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए। 5

**अथवा**

वासवदत्ता और पद्मावती के चरित्रों का मूल्यांकन कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 7+7

(क) यदा किञ्चिज्ज्ञोऽहं गज इव मदान्ध: समभवं।
तदा सर्वज्ञोऽस्मी त्यभवदवलिप्तं मम मन:।
यदा किञ्चित् किञ्चिद् बुधजनसकाशादवगतं
तदा मूर्खोस्मीति ज्वर इव मदो मे व्यपगत:॥

(ख) सत्यानृता च परूषा प्रियवादिनी च
हिंस्रा दयानुरपि चार्थपरा वदान्या।
नित्यव्यया प्रचुरनित्यधनागमा च
वारङ्गनेव नृपनीतिरनेकरूपा।

http://www.uoronline.com
http://www.uoronline.com
http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

(ग) मौनान्मूक: प्रवचनपटुर्वाचको जल्पको वा
धृष्ठ: पार्श्वे भवति च वसन् दूरतोऽप्यप्रगल्भ:।
क्षान्त्या भीरूर्यदि न सहते प्रायशो नाभिजात:।
सेवाधर्म: परमगहनो योगिनामप्यगम्य:॥

(घ) प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचै:
प्रारभ्य विघ्नविहिता विरमन्ति मध्या:।
विघ्नैर्मुहुर्मुहुरपि प्रतिहन्यमाना:
प्रारब्धमुत्तमगुणान परित्यजन्ति॥

4. नीतिशतक के अनुसार दैवप्रशंसा का वर्णन कीजिए। 6

**अथवा**

महाकवि भर्तृहरि के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 5+5

(क) अथवा कृतवाग्द्वारे वंशेऽस्मिन् पूर्वसूरिभि:।
मणौ वज्रसमुत्कीर्णे सूत्रस्येवास्ति में गति:॥

(ख) स्निग्धगम्भीर निर्घोषमेकं स्यन्दनमास्थितौ।
प्रावृषेण्यं पयोवाहं विद्युदैरावताविव॥

(ग) सुतां तदीयां सुरभे: कृत्वा प्रतिनिधिं शुचि:।
आराधय सपत्नीक: प्रीता कामदुधा हि सा॥

(घ) ललाटोदयमाभुग्नं पल्लवस्निग्धपाटला।
बिभ्रती श्वेतारोमांकं सन्ध्येव शशिनं नवम्॥

6. 'रघुवंश' प्रथम सर्ग के आधार पर 'वसिष्ठ-दिलीप संवाद' को स्व शब्दों में लिखिए। 5

**अथवा**

दिलीप और सुदक्षिणा द्वारा वशिष्ठाश्रमाभिगमन और प्रकृति प्रकृति दर्शन का वर्णन कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

(क) त्वया पाठ: स्मर्तव्य:।

(ख) स: चौरात् बिभेति।

(ग) उद्यमेन हि सिद्ध्यन्ति कार्याणि न मनोरथै:।

(घ) लिखितमपि ललाटे प्रोज्झितुं क: समर्थ:।

(ङ) न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगा:।

(च) रमा मम गृहे ओदनं पचति।

(छ) ता बालिका: स्व गृहं गच्छेयु:।

(ज) शिष्टाचारानुरोधेनैव भवतीदमाह।

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

(झ) बुभुक्षितः किं न क रोति पापम्।

(ञ) ईश्वरस्य कृतिं न क ोऽपि जानाति।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(क) पिता की आज्ञा से रा म वन को गये।

(ख) तुमने इस पुस्तक का कित ना मूल्य दिया ?

(ग) वृक्ष से गिरते हुए फलों को बा लक खाते हैं ?

(घ) सिंह के द्वारा मृग मारे जाते हैं।

(ङ) यह ग्रन्थ कन्नड़ भाषा में अनूदित होना चाहिए।

(च) धूप में बाहर जाकर क्या करेगा ?

(छ) दुर्जन स्वदेश से भी द्रोह करते हैं।

(ज) घोड़े से ऊँट ऊँचा होता है।

(झ) तिलों में तेल होता है, बालू में नहीं।

(ञ) हम आज इस सरोवर में स्नान को आए हैं।

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

**http://www.uoronline.com**
**Whatsapp @ 9300930012**
**Send your old paper & get 10/-**
**अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,**
**Paytm or Google Pay से**